P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-9*(Part-1) May- 2019
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

सिरमौर जनपद (हि0प्र0) शैक्षणिक विकास की स्थिति

रामचन्द्र शर्मा
शोधार्थी,
भूगोल विभाग,
एस0आर0टी0 परिसद
बादशाहीथौल टिहरी गढ़वाल
हे0न0ब0 गढ़वाल (केन्द्रीय)
विश्वविद्यालय,
श्रीनगर, उत्तराखण्ड, भारत

सारांश

मानव के विकास में शिक्षा महत्वपूर्ण उत्प्रेरक की भूमिका निभाती है। शिक्षा से ज्ञान का प्रसार होता है। ज्ञान आंतरिक शांति प्रदान करता है, जो जन–जातियों के लिए शोषण तथा गरीबी से मुक्ति के लिये अति आवश्यक है। शिक्षा ही वह आयाम है, जिस पर उनकी सफलता निर्भर करती है। शोध पत्र हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के शैक्षणिक विकास की स्थिति पर प्रस्तुत है। क्यांकि किसी भी क्षेत्र के आर्थिक, तकनीकी, सामाजिक, सांस्कृतिक और अध्यात्मिक विकास में शिक्षा अति महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है अध्ययन क्षेत्र में शिक्षा का विकास प्रदेश के गठन पश्चात हुआ।

मुख्य शब्द : शिक्षा, शैक्षणिक विकास, मानव, ज्ञान

प्रस्तावना

मानव जीवन में आधुनिक शिक्षा का विशेष महत्व है। शिक्षा मानव हृदय में विभिन्न प्रकार के ज्ञान का संचार करती है। ज्ञान प्राप्त कर मनुष्य अज्ञानता रूपी अंधकार में शिक्षा का दीपक प्रज्वलित करता है। वह ज्ञान रूपी अस्त्र के आधार पर कुरीतियों से लड़ता है। शिक्षा मनुष्य में अच्छे विचारों का संचार करती है और अंदर में प्रविष्ट बुरे विचारों को बाहर निकालती है शिक्षा में ज्ञान, उचित आचरण और तकनीकी दक्षता , शिक्षण और विद्या प्राप्ति आदि समाविष्ट है। शिक्षा मनुष्य के जीवन का मार्ग प्रशस्त करती है। यह मनुष्य को समाज में प्रतिष्ठित करने का कार्य करती है। शिक्षा का मूल अर्थ यही है कि वह व्यक्ति का उचित मार्गदर्शन करें।

''शिक्षा से मेरा अभिप्राय बालक या मनुष्य के शरीर, मस्तिष्क या आत्मा के सर्वागीण एवं सर्वोत्तम विकास से है'' (Gandhi,)। स्वामी विवेकानंद के अनुसार ''जिस शिक्षा से हम अपना जीवन निर्माण कर सकें, मनुष्य बन सकें, चरित्र गठन कर सकें और विचारों का सामंजस्य कर सकें। वही वास्तव में शिक्षा कहलाने के योग्य है''

अध्ययन का उद्देश्य

1. जनपद सिरमौर में शिक्षा के स्तर को जानना।
2. सिरमौर में शैक्षणिक योजनाओं के प्रति जागरूकता , सहभागिता एवं शालाव्यागी युवाओं के कारणों को जानना।
3. सिरमौर में शिक्षा का प्रभाव एवं परिवर्तनों की जानकारी प्राप्त करना।

शिक्षा

किसी भी क्षेत्र के आर्थिक, तकनीकी, सामाजिक, सांस्कृतिक और अध्यात्मिक विकास में शिक्षा अति महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, वास्तव में क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था, शिक्षण सस्थायें एवं सुविधाएं, नगरीकरण, रहन–सहन का स्तर तकनीकी विकास का स्तर, आवागमन एवं संचार साधनों का विकास एवं सरकारी नीति आदि ऐसे महत्वपूर्ण कारक है, जिनकी प्रभाव क्षेत्र की जनसंख्या साक्षरता की मात्रा पर पड़ता है। इस प्रकार शिक्षा आर्थिक विकास का निर्देशांक तो है, ही अपितु शिक्षा के माध्यम से जनसंख्या वृद्धि दर भी प्रभावित होती है, अध्ययन क्षेत्र में शिक्षा का विकास प्रदेश के गठन के पश्चात हुआ। सन् 2001 में जिला सिरमौर की साक्षरता दर 70.39 एवं 2011 में 78.80 हो गयी।

शिक्षण संस्थायें

साधारणतया शिक्षण संस्थाओं की उपयोगिता क्षेत्र विशेष को शिक्षा प्रतिशत के आधार पर तथा छात्रों की संख्या पर अध्यापकों का निर्धारण किया जाता है, परन्तु जिले में उच्च शिक्षण संस्थाओं की कमी के कारण उच्च तकनीकी शिक्षा जैसे बी0बीए0/एम0बी0ए0, एम0सी0ए0, एच0एम0 आदि की प्राप्ति हेतु लोग अन्य क्षेत्रों की ओर स्थानान्तरित होते है, जिले में खुले प्राथमिक विद्यालय से लेकर महाविद्यालय तक तथा अन्य प्रशिक्षण संस्थाओं का वितरण तालिका एवं मानचित्र संख्या 5.1 में दर्शाया गया है।

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-9*(Part-1) May- 2019
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

तालिका 5.1

वर्ष	प्रामिक पाठशालाओं की संख्या	माध्यमिक पाठशालाओं की संख्या	उच्च/वरिष्ठ माध्यमिक पाठशालाओं की संख्याा	महा–विद्यालय
1	2	3	4	5
2000.2001	964	139	99	3
2001..2002	964	135	99	3
2002.2003	964	139	106	3
2003.2004	964	140	106	3
2004.2005	969	170	111	4
2005.2006	969	170	130	4
2006.2007	974	197	139	6
2007.2008	978	197	139	6
2008.2009	978	200	140	6
2009.2010	987	212	140	6
2010.2011	979	193	152	6
2011.2012	979	193	164	6
2012.2013	998	208	177	6
2013 .2014	1005	208	182	6
2014 2015	1017	198	211	8
2015 2016	1024	197	213	8
2016 .2017	1028	194	228	10

अध्ययन क्षेत्र में वर्तमान समय में 1460 मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थायें है, ये संस्थान प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च तथा महाविद्यालय सहित है, जनपद सिरमौर में प्राथमिक शिक्षा संस्थाओं के सबसे अधिक संख्या है, जो कि 70.41 प्रतिशत और एवं माध्यमिक पाठशालाओं 13.29 प्रतिशत उच्च/वरिष्ठ पाठशाला 15.67 प्रतिशत और महाविद्यालय केवल 0.68 प्रतिशत है।

अध्ययन क्षेत्र में वर्तमान समय में शिक्षण संस्थाओं की अधिकता ग्रामीण क्षेत्र में अधिक है, जिसका 97.81 प्रतिशत ग्रामीण में एवं 2.19 प्रतिशत शहरी क्षेत्र में है।

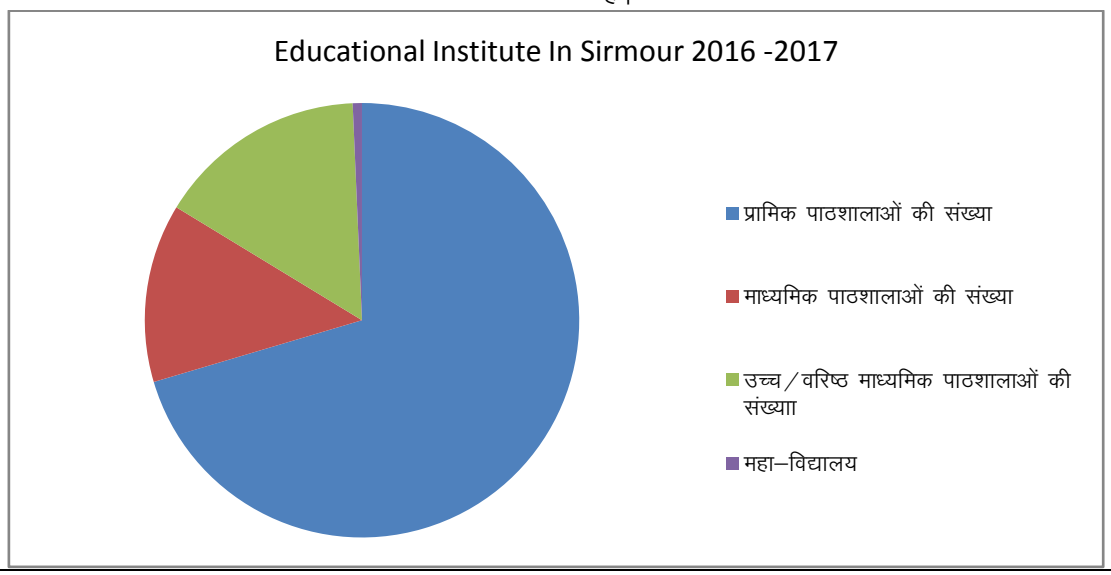

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-9*(Part-1) May- 2019
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

तालिका 5.2

सिरमौर जनपद में विकासखण्ड बार शिक्षण संस्थानों की संख्याओ की संख्या				
नाम	प्राथमिक स्कूल	माध्यमिक स्कूल	उच्च/वरिष्ठ स्कूल	महाविद्यालय
पच्छाद	144	34	31	1
राजगठ	115	31	33	1
नाहन	173	33	34	3
पावंटा साहिब	262	46	59	2
शिलाई	143	25	26	1
संगडाह	191	25	45	2
कुल	1028	194	194	10
शहरी	20	2	5	5
ग्रामीण	1008	192	223	5
कुल	1028	194	228	10

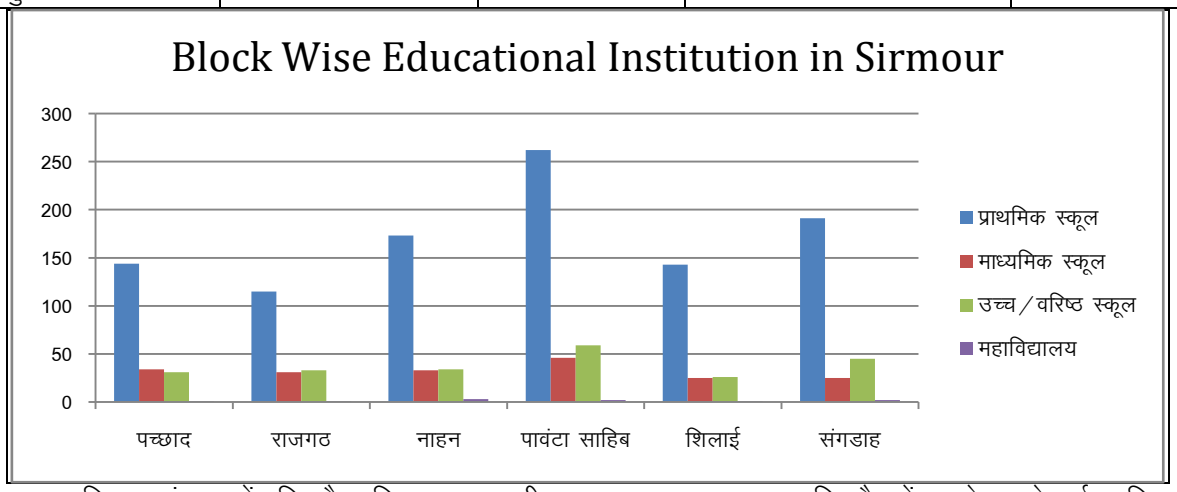

तालिका संख्या में सिरमौर विकासखण्ड की शैक्षणिक संस्थानों का विवरण दिया गया है।

तालिका से जनपद सिरमौर में विकासखण्ड सबसे अधिक शिक्षण संस्थायें पावंटा साहिब में है जिसमें प्राथमिक पाठशाला 25.49 प्रतिशत, माध्यमिक पाठशाला 23.71 प्रतिशत, उच्च शिक्षण संस्थान 25.88 प्रतिशत तथा महाविद्यालय 20 प्रतिशत है एवं सबसे कम शिक्षण संस्थायें प्राथमिक पाठशाला जोकि राजगढ़ विकासखण्ड में 11.99, माध्यमिक पाठशाला शिलाई और

संगडाह में क्रमशः, उच्च/वरिष्ठ पाठशाला शिलाई में 11.40 एवं महाविद्यालय पच्छाद, शिलाई और राजगढ़ में क्रमशः 10 प्रतिशत है।

जनपद सिरमौर में उपरोक्त दो नई तालिका से विकासखण्ड पावंटा साहिब में सबसे अधिक संस्थान हैं जबकि शिलाई, राजगढ़ एवं पच्छाद में कम होने का कारण इस क्षेत्र की विपरित भौगोलिक परिस्थितियाँ।

अध्ययन क्षेत्र में स्थित सभी शिक्षण संस्थाओं में कुल 5184 शिक्षक कार्यरत हैं जिनमें प्राथमिक पाठशाला 37.17 प्रतिशत, माध्यमिक पाठशाला 34.34, उच्च/वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला 25.02 प्रतिशत एवं महाविद्यालयों 3.47 प्रतिशत शिक्षक कार्यरत है जिनका विस्तृत वितरण तालिका संख्या 5.3 में दिया गया है।

तालिका 5.3

सिरमौर के शिक्षण संथाओं में शिक्षकों की संख्या–वर्ष 2017						
क0 सं0	विकासखण्ड	प्राथमिक स्कूल	माध्यमिक स्कूल	उच्च/वरिष्ठ स्कूल	महाविद्यालय	योग
1	पच्छाद	210	215	169	7	601
2	राजगढ़	206	210	166	8	590
3	नाहन	340	340	247	98	1025
4	पावंटा साहिब	498	290	375	34	1197
5	शिलाई	393	395	145	13	946
6	संगडाह	280	330	195	20	825
7	कुल	1927	1780	1297	180	5184
8	शहरी	70	425	109	134	738
9	ग्रामीण	1857	1355	1188	46	4446

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-9*(Part-1) May- 2019
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

अध्ययन क्षेत्र के शिक्षण संस्थनों में कुल 11,6570 छात्र–छात्राओं अध्ययनरत हैं जिनमें से 29.38 प्रतिशत प्राथमिक विद्यालयों में, 22.68 प्रतिशत माध्यमिक विद्यालयों में, 41.81 उच्च/वरिष्ठ विद्यालयों में तथा 6.13 प्रतिशत महाविद्यालयों में अध्ययनरत हैं जिनका वितरण तालिका संस्था 5.4 तके दर्शाया गया है।

तालिका 5.4

1	पच्छाद	3216	2571	4242	270
2	राजगढ़	3307	2590	5544	550
3	नाहन	4680	4810	7605	2585
4	पांवटा साहिल	9657	8520	14644	2125
5	शिलाई	6262	3713	7255	913
6	संगडाह	7127	4240	9444	760
	कुल	34249	26444	48734	7143

जनपद सिरमौर में अध्यापकों एवं छात्रों का अनुपात प्राथमिक स्कूल में 1:18, माध्यामिक स्कूल में 1:15, उच्च/वरिष्ठ स्कूलों में 1:38 तथा महाविद्यालयों में 1:40 हैं। अध्यापकों एवं छात्रों का विकासखण्डवार अनुपात का वितरण तालिका 5:5 में दर्शया गया है।

तालिका 5.5

S.No.	Block Name	GPS	GMS	GHS/GSSS	Collage
1	पच्छाद	1:15	1:12	1:25	1:39
2	राजगठ	1:16	1:12	1:33	2:09
3	वाहन	1:14	1:14	1:31	1:27
4	पांवटा साहिल	1:19	1:29	1:39	2:03
5	शिलाई	1:16	1:09	1:50	2:10
6	संगडाह	1:25	1:13	1:48	1:35
	कुल	1:18	1:15	1:38	1:40

सिरमौर जनपद में इसके अतिरिक्त 1 नवोदय विद्यालय तथा एक भारतीय प्रबंध संस्थान (आई0आई0एम0) भी कार्यारत हैं तकनीकी शिक्षा के लिए 9 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान 1 पॉलिटेक्निक महाविद्यालय कार्यरत है।

निष्कर्ष

किसी भी प्रदेश की सामाजिक–आर्थिक प्रगति के लिए शिक्षित होना अति आवश्यक है। इसी कारण शिक्षा संस्थाओं का व्यापक विस्तार किया गया है शिक्षा के कारण ही वे वर्तमान में अन्य शैक्षणिक योजनाओं की जानकारी भी रखते है किन्तु आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण डॉक्टर एवं इंजीनियर जैसे व्यावसायिक शिक्षा की और अधिक ध्याान नहीं दे पाते है। रोजगार के रूप में वर्तमान युवा पीढ़ी में सेना एवं शिक्षक की नौकरी में अधिक रूचि लेते है । साथ ही स्वरोजगार के प्रति भी उनकी रूचि दिखाई देती है। अतः शिक्षा का महत्व इन क्षेत्रों में स्वच्छ एवं शिक्षित पर्यावरण के निर्माण में मनुष्य योगदान प्रदान कर रहा है। वर्तमान में युवा शिक्षक, सेना एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहते है।

वर्तमान में पारिवारिक समस्या के साथ–साथ आर्थिक समस्या एक प्रमुख समस्या है एवं वर्तमान में हिमांचल सरकार द्वारा कक्षा आठवीं तक पास किये जाने के कारण बच्चों में पढ़ाई के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण उत्पन्न हो रहा है। लोगों की राय है कि सरकारी स्कूलों में अच्छी शिक्षा व्यवस्था नहीं होती एवं वहाँ बच्चों पर विशेष ध्यान नहीं दिया जाता है। इसके कारण उन्होने निजी संस्थाानों को अधिक उपयुक्त बताया।

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

Rana, *K.S., 1984 "Resource Analysis and Area Development in Song Basin" Unpublished D.phill thesis P.P. 121*

Rana, K.S. 1984 "Resource Analysis and Area development In Song Basin" unpublished D.phill theses, P.P. 129.

हिमांचल प्रदेश 2007–08 शिमला, पेज नं0– 05 आर्थिक सर्वेक्षण

Balokhra, J.M., 1999 The wonderland Himachal Pradesh "An Encyelopedia", H.G. Publication, New Delhi P.P. – 615

Attri, Rajender 2000 "Introduction to Himachal Pradesh", Sarla publication, Shimla, P.P. 444

Mamoria, C.B., 1979 Agriculture Problems of India, kitab Mahal, Allahabad, P.P. 737.

जिला सिरमौर 2017 जिला संखिकीय सारांश।